मुख्यालय आश्रम में चिन्मय ज्योति का आगमन

८ मई २०१६ को सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज से दीक्षा प्राप्त सन्त, परम पूज्य श्री स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज की जन्म शताब्दी का पावन अवसर आ रहा है। इस शुभ अवसर के उपलक्ष्य में चिन्मय मिशन द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। परम पूज्य श्री स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार हेतु २३८ दिवसीय अखिल भारत यात्रा—'चिन्मय ज्योति यात्रा' जन्म शताब्दी महोत्सव कार्यक्रमों में से एक है।

चिन्मय ज्योति यात्रा मण्डली, मुख्यालय आश्रम में ११ अक्तूबर २०१५ को प्रातः ९ बजे पहुँची तथा पावन समाधि मन्दिर में परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज तथा आश्रम के संन्यासियों एवं ब्रह्मचारियों ने उनका हार्दिक स्वागत किया। परम पूज्य श्री स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज की पादुकाएँ, वस्त्र तथा चिन्मय ज्योति अत्यन्त श्रद्धा एवं सम्मानपूर्वक सद्गुरुदेव के बड़े चित्र के निकट सबके दर्शन हेतु रखे गये।

अपराह्न में, यात्रा मण्डली द्वारा श्री स्वामी जी महाराज के 'ईश्वर की एकता' के सन्देश की अभिव्यक्ति करने वाला कृत्रिम तारा मण्डल (प्लैनेटेरियम) शो दिखाया। रात्रि सत्संग में श्री स्वामी जी महाराज के प्रेरणाप्रद जीवन को दर्शाती हुई एक फिल्म 'ऑन ए क्वेस्ट' दिखायी गयी। उसके उपरान्त परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज ने परम पूज्य श्री स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज के साथ अपने संस्मरण सुनाये। १२ अक्तूबर को चिन्मय ज्योति यात्रा मण्डली ने उत्तरकाशी के लिए मुख्यालय आश्रम से प्रस्थान किया।

सर्वशक्तिमान् परमात्मा तथा सद्गुरुदेव के आशीर्वाद सब पर हों!

मुख्यालय आश्रम में श्री रामचरितमानस का अखण्ड पारायण

श्री रामचरितमानस का अखण्ड पारायण ९ एवं १० अक्तूबर को श्री दिव्य नाम मन्दिर में परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज के ८४ वें जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया। डी एल एस कानपुर शाखा के भक्तों, मुख्यालय आश्रम के संन्यासियों, ब्रह्मचारियों तथा अतिथियों ने अत्यन्त श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्वक संगीत वाद्यों सहित अत्यन्त श्रुतिमधुर पारायण किया। परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज ने पारायण की पूर्णाहुति के अवसर पर अपनी पावन उपस्थिति से कार्यक्रम को आशीर्वादित किया। आरती एवं विशेष प्रसाद वितरण सहित कार्यक्रम समाप्त हुआ।

'मालवीय नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, जयपुर' में 'श्री स्वामी शिवानन्द मेमोरियल स्कॉलरशिप' देने का कार्यक्रम

द डिवाइन लाइफ सोसायटी मुख्यालय आश्रम द्वारा २०१२ में, 'मालवीय नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, जयपुर' में सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के पावन नाम से बी. टेक कोर्स के प्रत्येक वर्ष में से एक विद्यार्थी अर्थात् कुल चार विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने के लिए स्थायी-निधि स्थापित की थी।

वर्ष २०१५ की छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्यक्रम २३ सितम्बर २०१५ को इन्स्टिट्यूट के नव निर्मित भवन में आयोजित किया गया। डी एल एस जयपुर शाखा के सदस्य डा. योगेश ग्रोवर ने डिवाइन लाइफ सोसायटी की ओर से इसमें भाग लिया तथा उपस्थित श्रोताओं को सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज के महिमाशाली जीवन, उनके कार्यों एवं संस्था के उद्देश्यों और गतिविधियों से अवगत कराया। उसके उपरान्त इन्स्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं डीन द्वारा चयनित विद्यार्थियों को प्रमाणपत्रों सहित चैक प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में एम.एन.आई.टी. के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सद्गुरुदेव और सर्वशक्तिमान् परमात्मा की कृपा सभी पर हो!

* * *

मुख्यालय आश्रम में विशेष सत्संग

९ अक्तूबर २०१५ को पावन समाधि मन्दिर में एक विशेष सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें भगवान् श्री रमण महर्षि के एक गहन शिष्य तथा वेदान्त-ज्ञान के महान् व्याख्याकार तिरुवनमलै के पूज्य श्री नोचुर वेंकटरमण ने उपस्थित श्रोताओं को भक्ति-मार्ग पर प्रकाश डालते हुए सच्चे एवं वास्तविक भक्त के गुणों के सम्बन्ध में बताया। विभिन्न शास्त्र ग्रन्थों से उद्धरण देते हुए तथा श्री रमण भगवान् के महिमाशाली जीवन की व्याख्या करते हुए श्री वेंकटरमण ने कहा कि व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत पहचान को मिटा देना तथा समस्त इच्छाओं को नष्ट कर देना ही वास्तविक भक्ति है।

परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज ने पूज्य श्री नोचुर वेंकटरमण जी के आगमन एवं प्रेरणाप्रद प्रवचन के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया। पूज्य श्री वेंकटरमण जी के सम्मान तथा आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ सत्संग समाप्त हुआ।

मुख्यालय में नवरात्रि और विजयादशमी महोत्सव

मुख्यालय आश्रम में नवरात्रि का पावन पर्व अत्यन्त हर्षोल्लास एवं श्रद्धा-भक्ति सहित १३ से २१ अक्तूबर २०१५ तक मनाया गया। समस्त कार्यक्रम भव्य सुसज्जित और प्रकाशित शिवानन्द सत्संग भवन में सम्पन्न किये गये। इन दिनों में—श्री महादुर्गा, श्री महालक्ष्मी और श्री महासरस्वती—इन तीनों रूपों में देवी माँ की पूजा की गयी।

प्रतिदिन प्रात: अतिथि भवन के एक कक्ष में चण्डीपाठ से कार्यक्रम का शुभारम्भ होता था, पूर्वाह्न में आश्रम के मातृ सत्संग वर्ग द्वारा १३ से २० अक्तूबर तक प्रतिदिन शिवानन्द सत्संग भवन में ललिता सहस्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र का पारायण तथा पराशक्ति माँ की महिमा वर्णन के भजन एवं कीर्तन गान का कार्यक्रम किया गया।

रात्रि सत्संग में, नियमित पारायण एवं प्रार्थनाओं के साथ-साथ श्री दुर्गा सप्तशती का पारायण

संस्कृत में परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज द्वारा तथा अँगरेजी और हिन्दी में क्रमश: परम पूज्य श्री स्वामी विमलानन्द जी महाराज तथा श्री स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी द्वारा किया जाता था। उसके उपरान्त श्री स्वामी वैकुण्ठानन्द जी महाराज द्वारा तन्त्रोक्त देवी सूक्तम् का पाठ किया जाता था। सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज द्वारा दिये गये नवरात्रि सन्देश भी परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी

महाराज द्वारा पढ़े गये। तत्पश्चात् देवी माँ की अष्टोत्तरशतनामावली के साथ पुष्पार्चना की गयी। आरती और विशेष प्रसाद वितरण सहित कार्यक्रम समाप्त हुआ।

नवें दिन, अर्चना आरती सहित अत्यन्त श्रद्धापूर्वक श्री सरस्वती पूजन तथा उसके उपरान्त कन्या-पूजा हुई जिसमें परम पूज्य श्री स्वामी योगस्वरूपानन्द जी महाराज, परम पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज ने तथा आश्रम के अन्य संन्यासियों, ब्रह्मचारियों, भक्तों एवं अतिथियों ने देवी माँ की ९ प्रतिनिधि स्वरूप ९ कन्याओं का पूजन-अर्चन अन्न-प्रसाद, वस्त्र तथा अन्य उपहारों द्वारा किया। आश्रम यज्ञशाला में विशेष चण्डीहवन किया गया। रात्रि सत्संग में एक ऑडियो सीडी, एक पुस्तक तथा तीन पुस्तिकाओं का इस पावन अवसर के उपलक्ष्य में विमोचन किया गया।

२२ अक्तूबर को विजयादशमी का पावन पर्व अत्यन्त हर्षोल्लास सहित मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ पूर्वाह्न में भजन-कीर्तन तथा उसके बाद पराशक्ति माँ की विशेष पूजा एवं अर्चना सहित हुआ। विजयादशमी का दिवस होने से विद्यारम्भ अर्थात् सद्ग्रन्थों यथा—वेदों, उपनिषदों, श्रीमद्भगवद्गीता, वाल्मीकि रामायण, महाभारत, श्रीमद्भागवत् पुराण और सद्गुरुदेव की पुस्तक

'साधना' में से चयनित अंशों का अध्ययन-पाठ—परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज द्वारा किया गया।

सायंकाल में विश्वनाथ घाट पर माँ गंगा की विशेष पूजा की गयी। रात्रि सत्संग में परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने उपस्थित श्रोताओं को संक्षिप्त सन्देश द्वारा आशीर्वादित किया। इस कार्यक्रम का विशेष अंग ब्रह्मपुर, ओडिशा की ८ वर्षीय बालिका कु. जसेश्विनी पात्रा द्वारा ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति थी। आरती एवं पावन प्रसाद वितरण सहित कार्यक्रम समाप्त हुआ।

देवी माँ और सद्गुरुदेव के भरपूर आशीर्वाद सभी पर हों!

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव
राज्य स्तरीय कार्यक्रम

ओडिशा

पुरी में स्वामी चिदानन्द शतवार्षिक महोत्सव

स्वामी चिदानन्द शतवार्षिकी समिति, ओडिशा द्वारा श्री जगन्नाथ-धाम पुरी (ओडिशा) में, परम पूज्य स्वामी चिदानन्द जी महाराज की जन्म शताब्दी स्मरणोत्सव अत्यन्त सफलतापूर्वक २५ से २७ सितम्बर तक आयोजित किया गया। इसमें ओडिशा की लगभग २०० डी एल एस शाखाओं से ६,००० प्रतिनिधियों सहित कुल १५,००० भक्तों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया।

पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी वर्ष के शुभारम्भ के मंगलाचरण के रूप में २४ सितम्बर २०१५ को पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज की अध्यक्षता में सम्पन्न होने वाले श्री गुरु पादुका पूजन एवं विशेष सत्संग में चिदानन्द हरमिटेज, शान्ति आश्रम, बालीगुआली (पुरी) में सैकड़ों की संख्या में भक्त जन सम्मिलित हुए। आगामी दिन, महोत्सव के विधिवत् उद्घाटन से पूर्व श्री जगन्नाथ मन्दिर से गुंडिचा मन्दिर तक जाने वाली महामन्त्र नाम-संकीर्तन की

महा-शोभायात्रा में सहस्रों भक्तों ने भाग लिया। महोत्सव का उद्घाटन २५ की सन्ध्या को गोवर्धनपीठाधीश्वर परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य श्रीमद् स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती जी महाराज द्वारा किया गया। पूज्य श्री स्वामी रामदेव जी (संस्थापक, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार), पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी महाराज (उपाध्यक्ष, द डिवाइन लाइफ सोसायटी मुख्यालय), पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज (अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी आयोजक समिति, शिवानन्द आश्रम, ऋषिकेश) तथा माननीय राज्यमन्त्री (भारत सरकार) श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी सहित अन्य श्रद्धेय सन्त-महात्मा एवं गणमान्य मन्त्री इस महोत्सव की शोभावृद्धि करते हुए उपस्थित थे। गजपति महाराज श्री दिव्यसिंह देव (अध्यक्ष, शतवार्षिकी समिति, ओडिशा) ने स्वागत-भाषण दिया तथा शतवार्षिकी महोत्सव का सार वर्णन किया। 'स्वामी चिदानन्द—ए पिक्टोरियल बायोग्राफी' शीर्षक से एक 'चित्रात्मक' जीवन कथा का उन्मोचन, इस पावन अवसर के उपलक्ष्य में, परम पूज्य श्रीमद् जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज द्वारा किया गया। बहुत-सी अन्य पुस्तकें (जिनमें से अधिकांश डी एल एस के अँगरेजी प्रकाशनों का उड़िया अनुवाद था) भी इस महोत्सव के विभिन्न सत्रों के समय में उन्मोचित की गयीं तथा एक 'महोत्सव सैंटेनरी सौवेनियर' भी उन्मोचित किया गया। 'चिदानन्द रूपम्' नाम से एक चित्र प्रदर्शनी पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के महिमामण्डित जीवन को अभिव्यक्त करती हुई, महोत्सव परिसर में इन तीन दिनों के लिए आयोजित की गयी थी, जिसकी भक्तों ने अत्यन्त श्लाघा की। एक रक्त दान शिविर, स्थानीय कुष्ठगृह में सेवा, नारायण सेवा तथा आयुर्वेदिक, होमियोपैथी और अँगरेजी दवाइयों एवं चिकित्सा की नि:शुल्क सेवा का आयोजन भी उत्सव का एक अंग था।

प्रात:कालीन सत्र में २६ और २७ सितम्बर को पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी द्वारा प्रात:-प्रार्थना एवं ध्यान के

उपरान्त पूज्य स्वामी रामदेव जी द्वारा योग प्रशिक्षण का संचालन किया गया, जिसमें १५,००० के लगभग भक्तों ने भाग लिया। पूज्य स्वामी रामदेव जी ने अत्यन्त प्रेमपूर्वक, अपनी साधना के प्रारम्भिक दिनों में पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज से गंगोत्री में प्राप्त किये गये आशीर्वाद के दिनों के संस्मरण सुनाये।

इन दोनों दिनों के पूर्वाह्न और अपराह्न सत्रों की अध्यक्षता पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी ने तथा सायंकालीन सत्र की पूज्य श्री स्वामी निर्लिप्तानन्द जी ने की। पूर्वाह्न सत्र का विषय २६ को 'ईश्वर-साक्षात्कार—मानव-जीवन का लक्ष्य' रखा गया था, जिस पर पूज्य स्वामी सदानन्द जी (आचार्य एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष चिन्मय मिशन, भुवनेश्वर), पूज्य बाबा रामचरण दास जी (अधिकारी, नेवालदास मठ, पुरी) तथा पूज्य स्वामी आनन्दस्वरूपानन्द जी (कैलास आश्रम, ऋषिकेश) द्वारा प्रवचन हुए। इस सत्र के मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी रामदेव जी थे। अपराह्न सत्र में २६ को कल्पतरु सेवा संघ, कटक के पूज्य बाबा विपिन बिहारी दास जी, झंझापीठ मठ, पुरी के अध्यक्ष पूज्य बाबा सच्चिदानन्द जी, सत्यानन्द योग विद्यालय के डायरेक्टर पूज्य स्वामी स्वरूपानन्द जी, तथा पूज्य स्वामी शिवचिदानन्द जी (डी एल एस, भुवनेश्वर) ने 'स्वामी शिवानन्द और उनका मिशन' पर प्रवचन दिये।

ओडिशा के मुख्यमन्त्री माननीय श्री नवीन पटनायक जी २६ की सन्ध्या को होने वाले 'सद्भावना समावेश' सत्र के मुख्य अतिथि थे, जिसका विषय था 'यूनिवर्सल ब्रदरहुड एण्ड हारमॅनी' (वैश्व बन्धुत्व और सामंजस्य)। पूज्य परमहंस प्रज्ञानानन्द जी (क्रियायोग अन्तर्राष्ट्रीय पुरी के आध्यात्मिक अध्यक्ष), सम्माननीय पी. सीवाली थेरो (महाबोधी सोसायटी ऑफ़ इण्डिया, कोलकाता के चीफ़ मौन्क), माननीय फ़ादर अन्सेलम फरान्सिस (स्प्रिचुअल डायरेक्टर, क्रिस्टो ज्योति मोहाविद्यालोयो, सम्बलपुर), सामानी मालाया प्रज्ञान (जैन तेरापन्थ, कटक), ब्रदर शकील अहमद (चेयरमैन, आई. क्यू. आर. ए. रिसर्च अकादमी, कटक) तथा ज्ञानी सुखदेव सिंघजी (मुख्य ग्रन्थी, गुरुद्वारा, कटक)। श्री पिनाकी मिश्रा जी (माननीय पारलियामैन्ट सदस्य, पुरी) तथा श्री महेश्वर मोहन्ती जी (माननीय एम. एल. ए., पुरी) ने माननीय अतिथि के रूप में भाग लेते हुए धर्म-सामंजस्यता के विकास एवं शान्ति तथा वैश्व बन्धुत्व के विकास में द डिवाइन लाइफ सोसायटी के प्रयत्नों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसकी आज के समय की भारी आवश्यकता बताया।

२७ सितम्बर के पूर्वाह्न सत्र का विषय 'दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता' रखा गया था, जिस पर पूज्य स्वामी असीमानन्द जी (श्री राम निगमेश्वर मन्दिर, कटक के संस्थापक), पूज्य स्वामी धर्मप्रकाशानन्द जी (डी एल एस भुवनेश्वर) तथा पूज्य स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी (डी एल एस मुख्यालय ऋषिकेश) ने इस पर प्रकाश डाला कि दैनिक जीवन के सभी कर्तव्य कर्मों के साथ-साथ सामान्य व्यक्ति आध्यात्मिक जीवन कैसे जी सकता है। श्री प्रसाद हरिचन्दानी जी (अध्यक्ष, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति) इस सत्र के मुख्य अतिथि रहे।

२७ के अपराह्न सत्र के मुख्य अतिथि भागवत आश्रम, पुरी के संस्थापक पूज्य बाबा चैतन्य चरण दास जी थे तथा इसमें विषय था 'स्वामी चिदानन्द'। पूज्य स्वामी माधवानन्द जी (आचार्य, चिन्मय मिशन, रांची), पूज्य स्वामी ब्रह्मसाक्षात्कारानन्द जी (डी एल एस, राउरकेला) और पूज्य स्वामी जगन्नाथानन्द जी (डी एल एस, भुवनेश्वर) ने अत्यन्त श्रद्धा और प्रेम सहित पूज्य गुरु महाराज, श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की सादगी, विनम्रता, गुरु-भक्ति तथा सर्वोपरि सन्तीय महिमा एवं ईश्वरत्व का वर्णन करते हुए बताया कि उन्होंने किस प्रकार पूज्य श्री स्वामी जी महाराज द्वारा आध्यात्मिक पथ पर प्रेरणा एवं निर्देशन प्राप्त किये।

२७ की सन्ध्या के समापन सत्र का विषय रखा गया था 'अधिक उत्तम संसार के लिए वैदिक संस्कृति का पुनरुत्थान' तथा इस सत्र के मुख्य अतिथि थे चिन्मय मिशन के परमाध्यक्ष पूज्य श्री स्वामी तेजोमयानन्द जी। पूज्य स्वामी आत्मप्रकाशानन्द जी (अध्यक्ष, रामकृष्ण मठ, भुवनेश्वर), पूज्य श्री लोकनाथ स्वामी जी (इस्कॉन के पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष) तथा पूज्य स्वामी सत्यप्रज्ञानानन्द जी (विश्वात्म चेतना परिषद, बोलंगीर के संस्थापक अध्यक्ष) ने अपने प्रवचनों में विश्व में सर्वत्र शान्ति एवं समृद्धि लाने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सनातन वैदिक धर्म के आदर्शों एवं जीवन-मूल्यों को उत्पन्न एवं विकसित करने के प्रयत्नों पर ध्यान देने पर बल दिया।

जन्म शतवार्षिकी समिति, ओडिशा के अध्यक्ष, गजपति महाराज श्री दिव्यसिंह देव जी ने डिवाइन लाइफ सोसायटी मुख्यालय, राजकीय शासन, जिला प्रबन्धक, पुरी तथा अन्य सभी सम्बन्धित महानुभावों एवं संस्थाओं द्वारा प्रदान किये गये पूर्ण सहयोग एवं सहायता के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया तथा राज्य स्तरीय शताब्दी महोत्सव के सफलतापूर्वक सम्पन्न हो जाने के लिए उन सभी के प्रति आभार प्रकट किया। मानवता के कल्याण-मंगल की प्रार्थना तथा जगन्नाथ प्रभु के पावन महाप्रसाद वितरण सहित कार्यक्रम समाप्त हुआ।

* * *

भुवनेश्वर

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव कार्यक्रमों के अन्तर्गत द डिवाइन लाइफ सोसायटी भुवनेश्वर शाखा ने गंजम और खुर्दा जिलों के छह विद्यालयों और महाविद्यालयों में सितम्बर में 'स्वामी चिदानन्द विद्यार्थी चेतना शिविर' आयोजित किये।

यह शिविर बालियासौरा गवर्मेन्ट हाई स्कूल तथा ब्रह्मनीदेवी हाई स्कूल, हिंदाला, कबिसूर्यानगर, गोधापालान गवर्मेन्ट हाई स्कूल एवं हटिओटा गवर्मेन्ट हाई स्कूल, पोलसारा, गंजम में १० सितम्बर को तथा सनातन हरीचन्दन क़ॉलेज, मदनपुर एवं बौरीबन्धु कॉलेज, छत्ताबार भुवनेश्वर, खुर्दा में १० सितम्बर को आयोजित किये गये।

श्री स्वामी श्रीनिवासानन्द जी, श्री प्रवाकर दास, श्री ए. पी. बिसवाल तथा प्रो. विश्वमोहन पटनायक ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। गंजम और खुर्दा जिलों में विद्यार्थियों की संख्या ७१२ और ३५० थी। तीन उड़िया पुस्तिकाएँ, 'सदाचार हिन जीवनारा प्राणाधार', 'सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य', और 'जीवनारा सफलता' विद्यार्थियों में ज्ञान प्रसाद के रूप में प्रसाद के साथ वितरित की गयीं।

* * *

अनगुल

दिव्य जीवन संघ, स्वामी शिवानन्द सेवाग्राम चैरिटेबल सोसायटी (अखिल डी एल एस शाखाएँ, अनगुल द्वारा प्रबन्धित) द्वारा सितम्बर मास २०१५ में, युवा पीढ़ी को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, विभिन्न स्थानों पर विद्यार्थी कल्याण कार्यक्रम आयोजित किये गये। ११ सितम्बर को सरधापुर हाई स्कूल में कार्यक्रम रखा गया, जिसमें २०० विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

यह कार्यक्रम शिवानन्द इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्टेग्रल योगा सेंटर, शिवानन्द सेवाग्राम, गहम में १३ को

आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के १०० विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्था द्वारा 'आदर्श बालका' नामक पुस्तिका (उड़िया भाषा में लिखी हुई) सभी विद्यार्थियों को ज्ञान-प्रसाद में दी गयी।

संस्था द्वारा 'चिदानन्द सेन्टेनरी चैरिटेबल डिस्पेंसरी, गहम, अनगुल' के माध्यम से सेवाएँ निरन्तर चल रही हैं। सितम्बर २०१५ में लगभग ७८३ रोगियों का निरीक्षण एवं नि:शुल्क औषधियाँ दी गयी। डा. आर. एन. पण्डा, डा. आर. सी. सत्पथी, डा. बी. प्रधान, फार्मेसिस्ट श्री श्वेताम्बर

प्रधान, श्री पी. के. धर, हुदानन्द बेहरा और श्री हिमांशु पाणी द्वारा डिस्पेंसरी में सेवाए दी गयीं।